ई.एच.आई.–05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2015 और जनवरी 2016 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–05

पाठ्यक्रम शीर्षक :
भारत : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

सत्रीय कार्य
2015–2016

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–05

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2015 सत्र के लिए	31 मार्च 2016	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।
जनवरी 2016 सत्र के लिए	30 सितम्बर 2016	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) **योजना** : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) **वस्तु चयन** : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–05
भारत : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई.–05
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई.–05/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2015–2016
पूर्णांक :100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।
भाग 1: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. स्थायी बंदोबस्त का बंगाल पर प्रभाव की चर्चा कीजिए। क्या यह अपने उद्देश्य पूरे करने में सफल रहा? 20

अथवा

क्या 18वीं शताब्दी भारत का 'अंधकार युग' थी? चर्चा कीजिए।

2. मैसूर और हैदराबाद राज्य की राजस्व प्रणालियाँ किस प्रकार भिन्न थीं? व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

18वीं शताब्दी और 19वीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों के दौरान भारतीय समाज में प्रचलित सामाजिक भेदभाव के स्वरूप पर टिप्पणी लिखिए।

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. 18वीं शताब्दी के अंतिम और 19वीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों के दौरान ब्रिटिश नीति को आकार देने में उपयोगितावादियों की क्या भूमिका थी? 12

अथवा

1857 के विद्रोह के दौरान नेतृत्व के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

4. मराठा शासनकाल में 'फितना' की क्या भूमिका थी? 12

अथवा

ब्रिटिश शासनकाल के दौरान कृषि के वाणिज्यीकरण के क्या प्रभाव थे ? चर्चा कीजिए।

5. क्या अंग्रेज 18वीं–19वीं शताब्दी में 'कानून का शासन' प्रभावी ढंग से स्थापित कर पाए? टिप्पणी कीजिए। 12

अथवा

क्या अफगान युद्ध, अंग्रेजों के उद्देश्यों को पूरा कर पाए ?

6. भारत में सामाजिक सुधारों को बढ़ाने में राजा राममोहन राय की भूमिका की चर्चा कीजिए। 12

अथवा

क्या उपन्यास के उदय ने 19वीं शताब्दी में भारत में नवीन भारतीय विचार निर्मित करने में कोई योगदान किया ? टिप्पणी कीजिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :** 6+6

क) महलवाड़ी व्यवस्था
ख) 1833 का चार्टर अधिनियम
ग) सर विलियम जोंस
घ) हेनरी डेरोजियो